Baba’s Praise

30/4/2015

- तुम जानते हो बेहद का बाप हम बच्चों को विश्व का मालिक बनाने के लिए आये हैं।
- बाप है ज्ञान का सागर, सुप्रीम रूहानी टीचर रूहों को बैठ पढ़ाते हैं।
- आत्मा इन शरीर रूपी कर्मेन्द्रियों दवारा जानती है कि हम बाप से विश्व क्रोउन प्रिन्स- प्रिन्सेज बनने के लिए पाठशाला में बैठे हैं।
- जो बाप, बाप भी है, टीचर भी है।

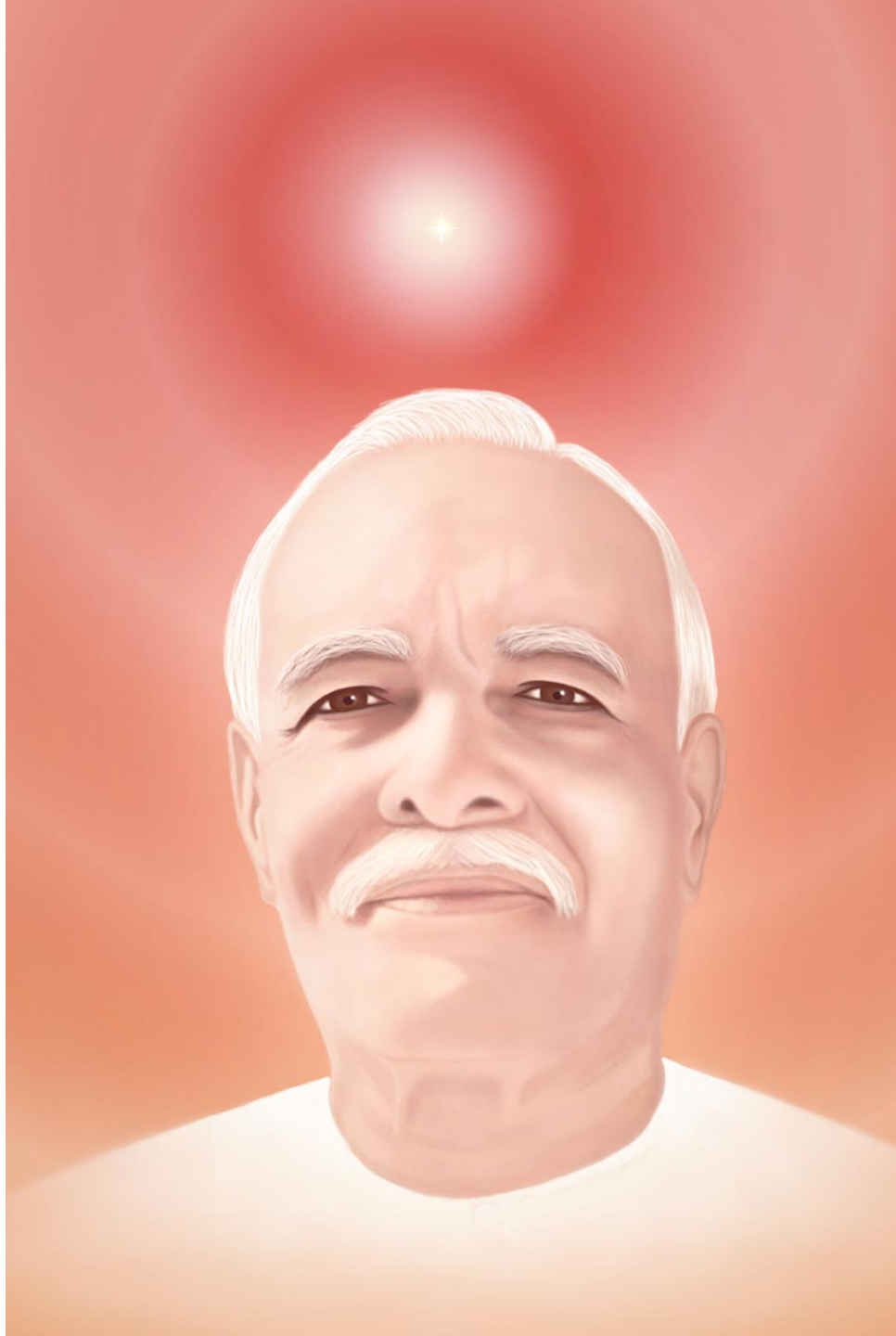

- बेहद का बाप जो स्वर्ग का वर्सा देने आये हैं, वह हमारा बाप-टीचर-गुरू भी हैं तो जरूर वर्सा भी इतना ऊंच ते ऊंच देंगे।

- तुम सब भक्त थे, अब बाप भक्ति से छुड़ाते हैं।

- बाप कहते हैं हम पवित्रता का सागर हैं, तुमको भी बनाते हैं।

- कितना बड़ा बाप है, भल है साधारण तन, परन्तु आत्मा को नशा चढ़ता है ना।

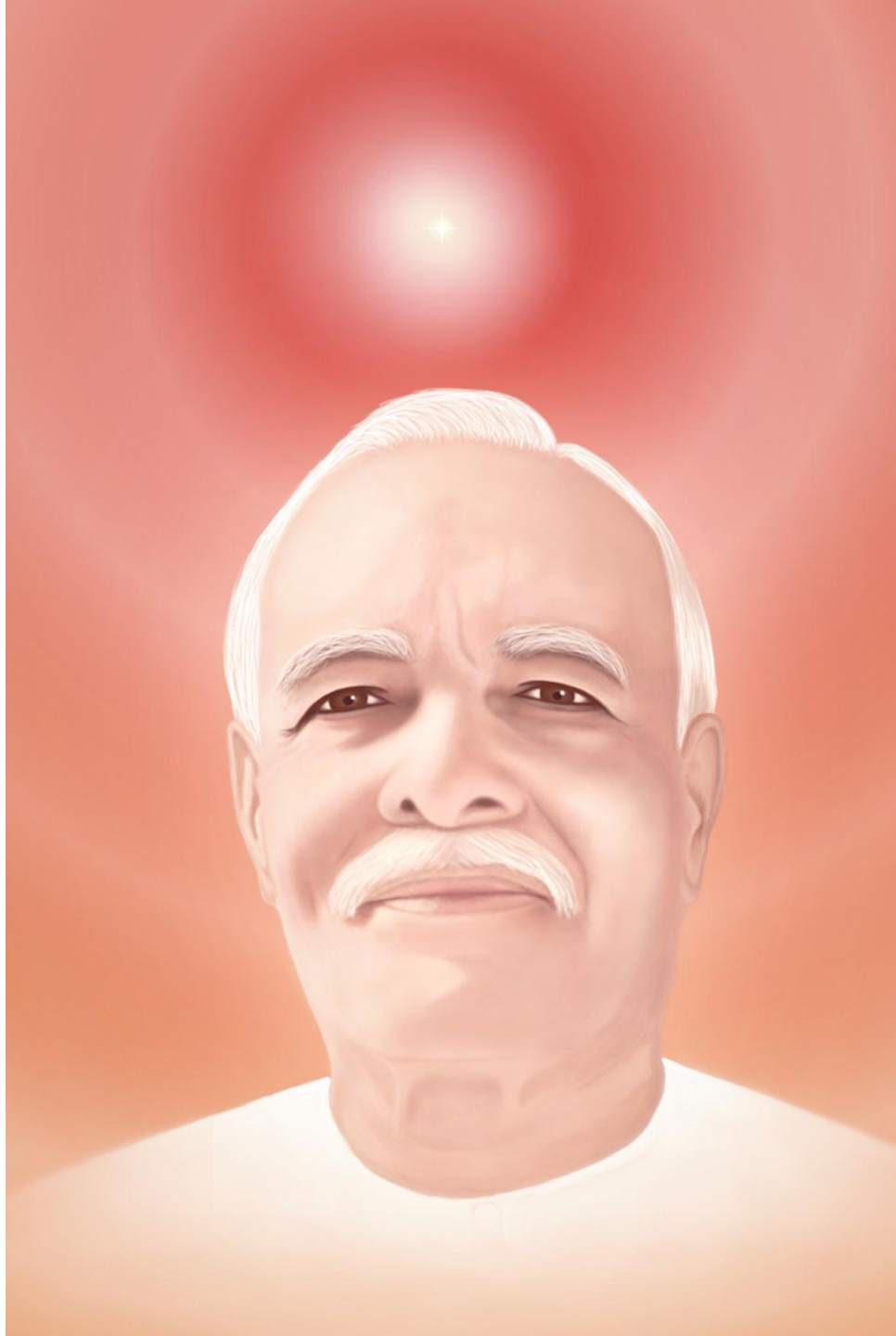

- बाप आकर रावण की कैद से छुड़ाते हैं।

- बाप कहते हैं तुम बुलाते भी हो कि हे पतित-पावन आओ। अब मैं पतित दुनिया में तुम्हारे लिए आया हूँ और तुमको कहता हूँ पावन बनो।
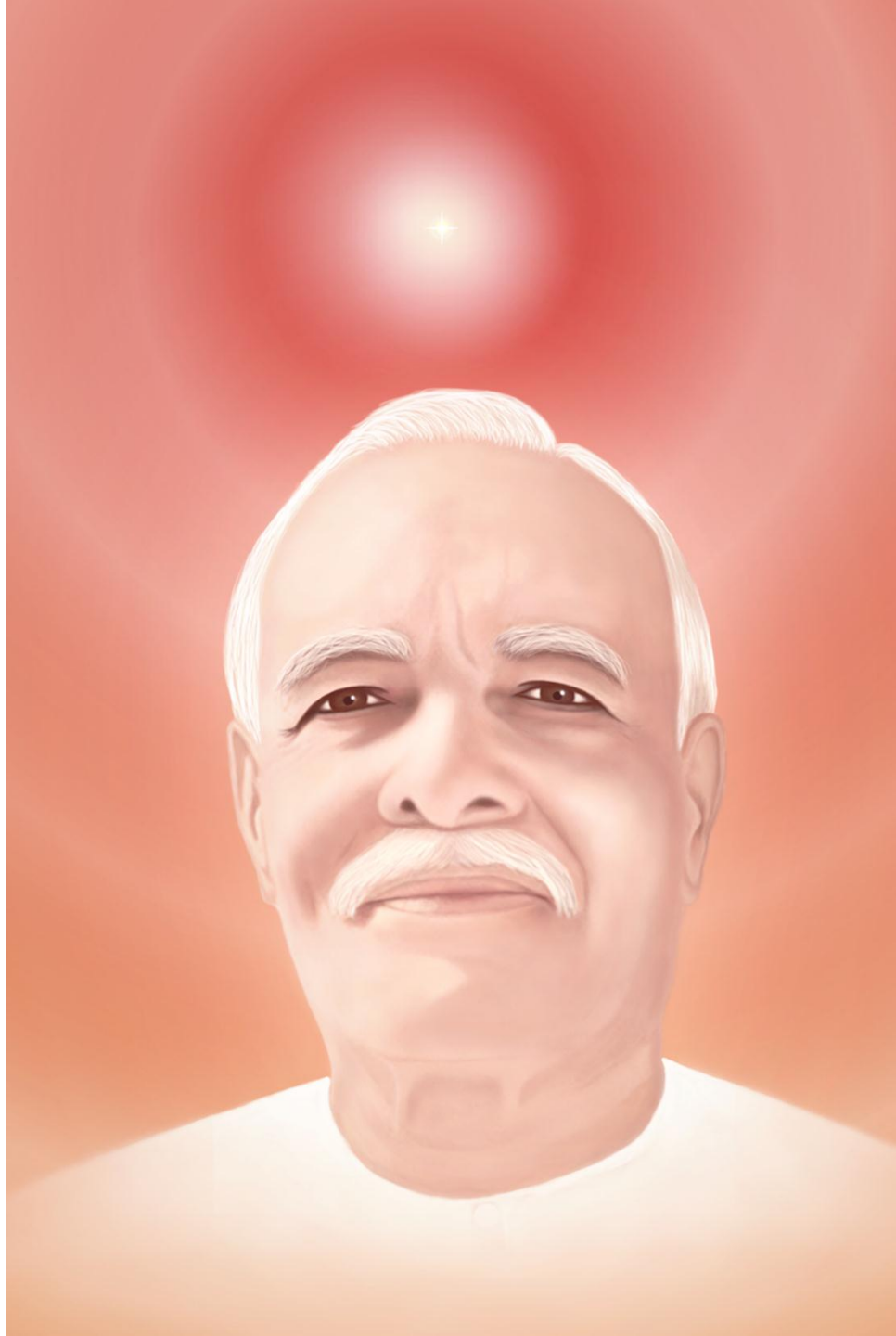
- यह राजयोग बाप ही सिखलाते हैं। बाकी वह तो हैं हठयोगी।